

---

shrIbhuvaneshvarI pa nchakam or prAtaHsmaraNam

श्रीभुवनेश्वरी पञ्चकं अथवा प्रातःस्मरणम्

Document Information

---

Text title : bhuvaneshvarIpanchakaM evaM prAtaHsmaraNam

File name : shrIbhuvaneshvarIpanchakam.itx

Category : panchaka, devii, dashamahAvidyA, dattAtreyAnandanAtha, devI

Location : doc\_devii

Author : dattAtreyAnandanAtha

Transliterated by : Ravi Mukku ravi\_mukku at hotmail.com

Proofread by : Ravi Mukku ravi\_mukku at hotmail.com

Latest update : March 25, 2013

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

## श्रीभुवनेश्वरी पञ्चकं अथवा प्रातःस्मरणम्



प्रातः स्मरामि भुवना-सुविशालभालं  
माणिक्य-मोउलि-लसितं सुसुधांशु-खण्डम् ।  
मन्दस्मितं सुमधुरं करुणाकटाक्षं  
ताम्बूलपूरितमुखं श्रुति-कुन्दले च ॥ १ ॥

प्रातः स्मरामि भुवना-गलशोभि मालां  
वक्षःश्रियं ललिततुङ्ग-पयोधरालीम् ।  
संवित् घटञ्च दधतीं कमलं कराभ्यां  
कञ्जासनां भगवतीं भुवनेश्वरीं ताम् ॥ २ ॥

प्रातः स्मरामि भुवना-पदपारिजातं  
रत्नोउघनिर्मित-घटे घटितास्पदञ्च ।  
योगञ्च भोगममितं निजसेवकेभ्यो  
वाञ्चाऽधिकं किलददानमनन्तपारम् ॥ ३ ॥

प्रातः स्तुवे भुवनपालनकेलिलोलां  
ब्रह्मेन्द्रदेवगण-वन्दित-पादपीठम् ।  
बालार्कबिम्बसम-शोणित-शोभिताङ्गीं  
विन्द्वात्मिकां कलितकामकलाविलासाम् ॥ ४ ॥


प्रातर्भजामि भुवने तव नाम रूपं  
भक्तार्तिनाशनपरं परमामृतञ्च ।  
ह्रीङ्कारमन्त्र-मननी जननी भवानी  
भद्रा विभा भयहरी भुवनेश्वरीति ॥ ५ ॥

यः श्लोकपञ्चकमिदं स्मरति प्रभाते  
भूतिप्रदं भयहरं भुवनाम्बिकायाः ।  
तस्मै ददाति भुवना सुतरां प्रसन्ना  
सिद्धं मनोः स्वपदपद्म-समाश्रयञ्च ॥


इति श्रीदत्तात्रेयानन्दनाथ-विरचितं श्रीभुवनेश्वरी-पञ्चकम्  
एवम् श्रीभुवनेश्वरी प्रातःस्मरणं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Ravi Mukku ravi\_mukku at hotmail.com

---

——  
*shrIbhuvaneshvarI pa nchakam or prAtaHsmaraNam*

pdf was typeset on February 2, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

